कोटद्वार, मंगलवार
17 दिसम्बर 2024
वर्षः 46
अंकः 221 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी को मेरठ से दबोचा

विकासनगर। किशोरी को बहला–फुसलाकर भगाकर ले जाने के आरोपी को सहसपुर थाना पुलिस ने मेरठ से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से किशोरी को भी बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो ऐक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आरोपी बुढाना, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश का निवासी है। सहसपुर थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश त्यागी ने बताया कि शनिवार को क्षेत्र के एक व्यक्ति ने तहरीर दी थी कि उसकी 16 वर्षीय बेटी घर से कही गई थी, जो वापस नही आई है। सूचना पर तत्काल अपहरण का मुकदमा दर्ज कर किशोरी की खोजबीन शुरू की गई। इसके लिए टीम का गठन किया गया। पुलिस ने किशोरी के परिजनों और दोस्तों से पूछताछ की। जिसमें पता कि संजय कुमार नाम का व्यक्ति उसे बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। जिसके बाद संजय कुमार के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। मुखबिर की सूचना पर आरोपी संजय कुमार पाल पुत्र जगदीश पाल निवासी ग्राम जौला थाना बुढाना मुजफ्फरनगर को मेरठ से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से किशोरी को भी बरामद कर लिया। पूछताछ में किशोरी ने उसके साथ दुष्कर्म किए जाने की जानकारी दी। जिस पर पीड़िता के बयानों व साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में पॉक्सो ऐक्ट और दुष्कर्म की धारा भी लगाई गई। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

बीएस 3 और बीएस 4 मॉडल की बसों के लिए फिर बंद हुए दिल्ली के गेट

हल्द्वानी। उत्तराखंड रोडवेज की पुरानी बीएस 3 और बीएस 4 बसों के दिल्ली में प्रवेश पर फिर रोक लग गई है। सोमवार सुबह अचानक आए निर्देश के बाद दिल्ली को भेजी बसों को यूपी बॉर्डर पर कौशांबी से ही वापस आने के लिए कहा गया। वही दिल्ली सरकार के नए आदेश के कारण एक बार फिर कुमाऊं से चलने वाली रोडवेज की करीब 85 बसों की दिल्ली में एंट्री बंद हो गई है। इसमें चार दिन पहले शुरू हुई वॉल्वो सेवा भी शामिल है। अब हल्द्वानी बस अड्डे से निगम की अनुबंधित या सीएनजी बसों की संख्या बढ़ाई जा रही है। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के बाद एक बार फिर बीएस 3 और बीएस 4 मॉडल की बसों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इस कारण उत्तराखंड परिवहन निगम की दिल्ली जाने वाली बसें फिर से थम गई हैं।

मुख्यमंत्री ने किया 84.80 करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास/लोकार्पण

●मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया कांडा महोत्सव का शुभारंभ ●कांडा महोत्सव को बताया राज्य की अनमोल धरोहर

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कांडा महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बागेश्वर जिले की 83 करोड़ की 11 योजनाओं का शिलान्यास एवं 1.80 करोड़ की योजना का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जिले के विकास को और गति प्रदान करने के लिए अनेक घोषणाएं भी की।

कांडा महोत्सव को राज्य की अनमोल धरोहर बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महोत्सव की हमारी समृद्ध परंपराओं को संजोए रखने तथा उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में अद्वितीय योगदान देने में बड़ी भूमिका रही है। ये महोत्सव हमारे छोटे व्यापारियों, कारीगरों और किसानों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और उनकी बिक्री करने का मंच प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी लोक संस्कृति ही हमारी मूल पहचान है और हम जीवन में किसी भी स्तर पर हों या विश्व में कहीं भी चले जाएं, हमारी पहली पहचान ये है कि हम उत्तराखंड वासी हैं। उत्तराखण्ड की संस्कृति, उत्तराखण्ड के पहनावे और उत्तराखण्ड के खान पान पर हमें सदैव गर्व रहना चाहिए। उन्होने कहा कि ऐसे आयोजनों के कारण ही हमारी लोक संस्कृति और भी अधिक सुदृढ़ होती है। अपनी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने और उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अद्भुत कार्य करने के लिए उन्होने आयोजकों के प्रयासों को भी सराहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है। प्रदेश में एक लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी है। पहाड़ी उत्पादों का पहचान दिलाने के लिए हाउस ऑफ हिमालया ब्रांड बनाया गया है। प्रदेश सरकार ने एक जनपद दो उत्पाद योजना के माध्यम से स्थानीय आजीविका के अवसरों में बढ़ोत्तरी किए जाने का काम अनवरत रूप किया जा रहा है। स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि पहाड़ों से हो रहे पलायनों को रोका जाए। गांव में पर्यटन को बढ़ावा देकर स्थानीय निवासियों को होम स्टे के माध्यम से रोजगार व स्वरोजगार के अवसर प्रदान किया जा रहे हैं। उत्तराखंड में होम स्टे पूरी क्षमता के साथ चल रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों आजीविका मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि बागेश्वर को रेल मार्ग से जोड़ने के लिए सरकार ने सर्वे का काम पूरा कर लिया है। रेल लाइन बनने से बागेश्वर के साथ ही चंपावत व पिथौरागढ जनपदों में भी विकास के अनेकों संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले के विकास के लिए वह सब कार्य पूर्ण हो रहे हैं, जिनका यहां की जनता को लंबे समय से इंतजार था। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सुरेश गढ़िया, दर्जा राज्य मंत्री शिव सिंह बिष्ट, निवर्तमान अध्यक्ष जिला पंचायत/प्रशासक बसंती देव, ब्लाक प्रमुख/प्रशासक गोविंद सिंह दानू, जिलाध्यक्ष भाजपा इंद्र सिंह फर्स्वाण, डीएम आशीष भटगांई, एसपी चंद्रशेखर आर घोड़के, सीडीओ आरसी तिवारी, निवर्तमान, अध्यक्ष कांडा महोत्सव हीरा सिंह कर्मयाल, संरक्षक गुसाईं सिंह धपोला, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

जिले के विकास के लिए मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाएं

कांडा को विकासखंड़ बनाने के लिए जो भी औपचारिकताएं है उसे आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। बनकोट क्षेत्र को बागेश्वर क्षेत्र में जोड़ने के लिए दोनो क्षेत्रों से एनओसी लेकर विधिक राय लेकर उस पर कार्यवाही की जाएगी। जनपद में सैनिकों के लिए कैंटीन भवन का निर्माण कराया जाएगा। कांडा क्षेत्र में मल्टी लेवल पार्किंग निर्माण व राइंका देवतोली भवन का पुर्ननिर्माण कार्य एवं देवतोली क्षेत्र में मिनी स्टेडियम बनाने की घोषणा की। वही मुख्यमंत्री ने सरयू घाटी एवं शामा क्षेत्र में विद्युत सब स्टेशन का निर्माण कराये जाने के साथ ही बिलखेत–गैराड़ मोटर मार्ग का नाम स्व. हीरा सिंह धपोला एवं कर्मी–तोली मोटर मार्ग का नाम स्व. हयात सिंह गढ़िया के नाम से रखने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांडा में नर्सिंग कॉलेज निर्माण जल्द पूर्ण कराया जाएगा तथा बागेश्वर में नशा मुक्ति केंद्र का कार्य किया जाएगा तथा जिले में सभागार निर्माण हेतु रेडक्रॉस भवन का निर्माण कराने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री द्वारा किए गए शिलान्यास एवं लोकार्पण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बागेश्वर जिले के लिए 8299.64 लाख की 11 योजनाओं का शिलान्यास एवं 180.25 लाख की एक योजना का लोकार्पण किया। विधानसभा बागेश्वर अंतर्गत रूनीखेत–गांधीग्राम–अमतौड़ा मोटर मार्ग में डामकरीकरण कार्य 192.30 लाख एवं अकुणाई–अणा–लोहारचौरा मार्ग का सुधारीकरण कार्य 442.08 लाख तथा विधानसभा कपकोट अंतर्गत कांडा–सानिउडियार––रावतसेरा मोटरमार्ग में सुधारीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य 2294.03 लाख, कफनी ग्लेशियर मार्ग पर सुंदरढुंगा ग्लेशियर से कफनी ग्लेशियर की ओर क्षतिग्रस्त मार्ग का नव निर्माण 96.98 लाख, बागेश्वर–कपकोट–तेजम मोटर मार्ग व असौं बैड़ा पाखड़ दोफाड़ मार्ग में सुधारीकरण एवं डामरीकरण कार्य 94.73 लाख तथा चीराबगड़ से पोथिंग मोटर मार्ग कार्य 768.46 लाख, भ्यूं गुलेर मोटर मार्ग 661.62 लाख, भ्यूं गड़ेरा मोटर मार्ग 927.89 लाख, खंडलेख भनार मोटर मार्ग 542.66 लाख, कपकोट–पिंडारी–रिखाड़ी–वाछम मोटर मार्ग 1591.29 लाख व कमेड़ी देवी स्यांकोट मोटर मार्ग 687.60 लाख की योजनाओं का शिलान्यास किया। वही जिस एक योजना का लोकार्पण किया उसमें विधानसभा कपकोट अंतर्गत दूणी सुकंडा मोटर मार्ग में सुधारीकरण एवं डामरीकरण कार्य 180.25 लाख सम्मिलित है।

24 दिसंबर को होगी उत्तरकाशी मस्जिद मामले की सुनवाई

नैनीताल। हाईकोर्ट ने उत्तरकाशी के भटवाड़ी रोड स्थित सुन्नी समुदाय की मस्जिद की सुरक्षा को लेकर दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ ने अगली सुनवाई के लिए 24 दिसंबर की तिथि नियत की है। राज्य सरकार की तरफ से कोर्ट में कहा गया कि वहां पर कानून व्यवस्था बनाई गई है जबकि याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डॉ. कार्तिकेय हरि गुप्ता ने कोर्ट को बताया कि अब भी वहां समुदाय विशेष के खिलाफ नफरत भरे भाषण दिए जा रहे हैं। डीएम और एसपी ऐसे भाषण देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में असफल हो रहे हैं। उत्तरकाशी की अल्पसंख्यक सेवा समिति ने इस मामले में याचिका दायर कर कहा है कि बीती 24 सितंबर से कुछ संगठनों के द्वारा भटवाड़ी रोड स्थित सुन्नी सुमदाय की मस्जिद को अवैध बताकर उसे ध्वस्त करने की धमकी दी जा रही है। इस वजह से वहां दोनों समुदायों में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। ऐसे में मस्जिद की सुरक्षा करने के आदेश राज्य सरकार को दिए जाएं। याचिका में कहा है कि यह मस्जिद वैध है और 1969 में जमीन खरीदकर बनाई गई।

संसद में संविधान पर चर्चा, निर्मला सीतारमण का कांग्रेस पर बड़ा हमला

नईदिल्ली, लोकसभा में भारतीय संविधान पर तीखी बहस के बाद राज्यसभा में इस विषय पर दो दिवसीय चर्चा शुरू हुई।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसकी शुरुआत करते हुए कांग्रेस और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर तीखा हमला बोला।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नागरिक स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करने के लिए बार–बार संविधान में संशोधन कर रही है। उन्होंने इंदिरा गांधी के बचाव के लिए भी संविधान में संशोधन किए जाने की बात कही। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, पिछले 7 दशकों में इस जीवित दस्तावेज यानी हमारे संविधान ने कई संशोधन देखे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू की अंतरिम सरकार के तहत पहले संशोधन ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा दिया था।उन्होंने आगे कहा, यह पहला संशोधन प्रेस स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था और यह अभी भी मीडिया की स्वतंत्रता को प्रभावित कर रहा है। सांसदों के विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री नेहरू ने यह संशोधन किया था। सीतारमण ने कहा, आपातकाल के दौरान पारित 39वें संविधान संशोधन को पूर्वव्यापी रूप से लागू किया गया था क्योंकि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सत्ता खोने से डरती थी। कांग्रेस ने परिवार और वंशवाद की मदद के लिए संविधान में बेशर्मी से संशोधन जारी रखा। संशोधनों का उद्देश्य लोकतंत्र को मजबूत करना न होकर सत्ता में बैठे लोगों की रक्षा करना था।उन्होंने कहा, कांग्रेस ने उस दौरान इंदिरा गांधी की सत्ता बचाने के लिए ही संविधान में संशोधन किया था। सीतारमण ने कहा, कांग्रेस ने 1951 में संशोधन कर अभिव्यक्ति की आजादी पर कैंची चलाई। इसके बाद 1975 में इलाहाबाद हाई कोर्ट में राजनारायण का मामला लंबित होने के बावजूद कांग्रेस ने 39वें संशोधन के जरिए यह प्रावधान जोड़ दिया कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के निर्वाचन को कोर्ट में चुनौती नही दी जा सकती।

संभल में 46 साल बाद खुले मंदिर के कुएं में की गई खुदाई

●मिट्टी में दबी मिली माता पार्वती की खंडित मूर्ति

संभल, उत्तर प्रदेश का संभल पिछले दिनों शाही मस्जिद में हुए सर्वे और उसके बाद हुई हिंसा के चलते सुर्खियों में रहा. अब संभल में ही एक मंदिर को 46 साल बाद खोला गया है. ये मंदिर खग्गू सराय में स्थिर है. जिसे करीब पांच दशक बाद खोला गया. इस हिंदू मंदिर में पहले महादेव की मूर्ति निकली. उसके बाद मंदिर के प्रांगण में स्थित कुएं की खुदाई की गई. इसके बाद इस मंदिर से मां पार्वती की खंडित प्रतिमा बरामद की गई है. फिलहाल पुलिस ने इस प्रतिमा को अपने कब्जे में ले लिया है और जांच–पड़ताल शुरू कर दी है. हालातों को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है. बता दें कि संभल के दीपसराय से सटे खग्गू सराय में एक पुरानी शिव मंदिर करीब पांच दशक से बंद था. प्रशासन ने इस मंदिर को शनिवार को फि?र से खुलवाया. मंदिर के खुलते ही वहां पुलिस प्रशासन और लोगों की भीड़ लग गई. उसके बाद मंदिर में पूजा–अर्चना भी शुरू कर दी गई. इसके बाद प्रशासन ने मंदिर के पास मौजूद एक कुएं की भी खुदाई करवाई. कुएं में जब 15 फीट खुदाई हुई तो उससे एक खंडित मूर्ति निकली. जानकारी के मुताबिक, संभल में बिजली चोरी चेकिंग के दौरान ये प्राचीन मंदिर मिला. अब इस मंदिर से पुराने अवशेष मिलना शुरू हो गए हैं. सोमवार को मंदिर में मौजूद कुएं की खुदाई की गई. इस दौरान एक खंडित मूर्ति बरामद की गई.

सम्पादकीय

सौर ऊर्जा में बढ़ते कदम

सौर ऊर्जा की दिशा में उत्तराखंड नए आयाम को छूने का प्रयास कर रहा है और इसके लिए राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा के माध्यम से 2027 तक आवासीय में 250 मेगावाट जबकि कुल 2500 मेगावाट क्षमता वाले सोलर प्लांट्स की स्थापना करने का लक्ष्य रखा है। आज जब ऊर्जा उत्पादन के संसाधन सीमित हो रहे हैं तो इन परिस्थितियों में सौर ऊर्जा एक सबसे बेहतर और सस्ता विकल्प है जिसे आज सारा विश्व अपना चुका है। उत्तराखंड में पिछले एक दशक से सौर ऊर्जा की परिकल्पना को साकार किया गया है और बड़े पैमाने पर राज्य के लोगों ने सौर ऊर्जा के विकल्प को विभिन्न तरीकों से अपनाया भी है। इसमें बिजली के अपने निजी प्रयोग से लेकर उत्पादन को भी ध्यान में रखा गया है जिसका लाभ स्वरोजगार के माध्यम से भी उठाया जा रहा है। सौर ऊर्जा पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में भी एक विशिष्ट पहल है जिसको अपनाते हुए उत्तराखंड को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भौगोलिक परिस्थितियों रहती है कि जिन संसाधनों से अभियुक्त ऊर्जा उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है उसकी संख्या सीमित है लिहाजा सौर ऊर्जा आने वाले भविष्य का सबसे बड़ा और कारगर स्रोत है, जिसे अभी से नियमित उपयोग में उतरना भविष्य के लिए कारगर साबित होगा। सौर ऊर्जा में असीमित विकल्प उपलब्ध है जो हमारे पर्यावरण को संरक्षित रखने में भी अपना योगदान देते हैं। केंद्र एवं राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं और अभियानों के माध्यम से देशभर में सौर ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा देते हुए वर्ष 2030 तक सौर ऊर्जा के माध्यम से 100 गीगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखे हुए है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तराखंड के योगदान को भी प्रमुखता से रखना होगा क्योंकि राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा की अधिकतम परियोजनाओं को स्थापित करने के उद्देश्य से नई सौर ऊर्जा नीति लागू की है। राज्य के सभी शासकीय भवनों पर सोलर पावर प्लांट स्थापित किये जा रहे हैं। राज्य में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से 70 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही है। पी०एम० सूर्यघर योजना के तहत सोलर पावर प्लांट की स्थापना के लिए अभी तक करीब 11 हजार लाभार्थियों को 90 करोड़ रुपए से अधिक का अनुदान दिया जा चुका है। घरेलू और गैर घरेलू उपभोक्ताओं हेतु सोलर वाटर हीटर संयत्र की स्थापना पर भी 30 से 50 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जा रहा है। स्वरोजगार की दिशा में भी सौर ऊर्जा ने अपनी छाप छोड़ी है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों ने इसे अपनी आजीविका के तौर पर भी अपनाया है।

इस बार का चुनाव केजरीवाल सरकार की असलियत पर होगा

अजीत द्विवेदी

दिल्ली का इस बार का चुनाव पिछले तीन चुनावों से अलग होने जा रहा है। ऐसा जमीन पर भले नहीं दिखाई दे या लोकप्रिय धारणा अभी ऐसी नहीं दिख रही हो लेकिन आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल जिस तरह से चुनाव लडने की तैयारी कर रहे हैं उससे लग रहा है कि जमीनी स्थितियां बदल गई हैं या बदल रही हैं। पहले तीन चुनावों की तरह केजरीवाल न तो अन्ना हजारे के नेतृत्व में हुए ह्यइंडिया अगेंस्ट करप्शनह्न के आंदोलन की लहर पर सवार हैं, न लोकपाल बनाने के संकल्प के आधार पर चुनाव लड़ रहे हैं, न आम आदमी होने का दावा करके चुनाव लड़ रहे हैं और न ह्यमुफ्त की रेवड़ीह्न बांटने के दम पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार का चुनाव उनके और उनकी सरकार की असलियत पर होगा।

उनके राजकाज की असलियत हवा और पानी का प्रदूषण है, यमुना की गंदगी है तो स्थायी विकास के कार्यों का ठप्प होना और दिल्ली के घाटे की अर्थव्यवस्था की ओर बढना है।

ध्यान रहे अरविंद केजरीवाल ने पहला चुनाव आंदोलन की लहर पर लड़ा था और बदलाव की चाह रखने वाले लोगों ने उनको वोट दे दिया था। उस समय लगातार तीन बार की कांग्रेस की सरकार से लोग उबे भी थे और निर्भया आंदोलन ने भी लोगों का मतदान व्यवहार तय करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। तब केजरीवाल की पार्टी 28 सीट के साथ दूसरे स्थान पर रही थी, जबकि 32 सीट जीत कर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। कांग्रेस को आठ सीटें मिली थीं।

कांग्रेस ने उस समय सबसे बड़ी रणनीतिक भूल की और आप को समर्थन देकर केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाया। अरविंद केजरीवाल ने लोकपाल के नाम पर 49 दिन के बाद इस्तीफा दे दिया। अगला चुनाव लोकपाल और मुफ्त बिजली, पानी के नाम पर हुआ तो आदर्शवादी और आकांक्षी लोगों ने एक साथ होकर केजरीवाल को वोट दिया और वे 67 सीटें जीत गए। अगला चुनाव ह्यमुफ्त की रेवड़ीह्न और अच्छे स्कूल, अस्पताल के नाम पर हुआ और फिर आम आदमी पार्टी चुनाव जीत गई।

लेकिन 10 साल के शासन के बाद हर चीज की हकीकत लोगों के सामने है। ह्यइंडिया अगेंस्ट करप्शनह्न और अन्ना हजारे को लोग भूल चुके हैं। युवा मतदाताओं का एक बड़ा समूह ऐसा है, जिसको न तो आंदोलन याद है और न अन्ना हजारे याद हैं। इसी तरह लोकपाल भी अब किसी को याद नहीं है। वह तो खुद केजरीवाल को भी याद नहीं है। अब तो भ्रष्टाचार रोकने के लिए मोबाइल से वीडियो बना लेने जैसे बेवकूफी भरे सुझावों के विज्ञापन भी दिल्ली सरकार नहीं दे रही है। इसी तरह केजरीवाल अब मफलर लपेट, खांसते हुए आम आदमी नहीं हैं, बल्कि 50 करोड़ रुपए के खर्च से बनाए उनके ह्यशीशमहलह्न की तस्वीरें और वीडियो दिल्ली की जनता देख चुकी है। ऐसे ही ह्यमुफ्त की रेवड़ीह्न में कुछ भी अनोखापन नहीं रह गया है।

एक के बाद एक राज्यों में सत्तारूढ़ दल या विपक्षी पार्टियां ढेर सारी वस्तुएं और सेवाएं मुफ्त में बांटने का वादा करके चुनाव जीत रही हैं। जनता को पता है कि जो जीत कर आएगी वह मुफ्त की चीजें देगा। किसी पार्टी की हिम्मत नहीं है कि ह्यमुफ्त की रेवड़ीह्न बंद कर दे। इसलिए अरविंद केजरीवाल का यह भय दिखाना कि भाजपा आएगी तो मुफ्त बिजली, पानी और बस सेवा बंद कर देगी, बहुत कारगर नहीं होने वाला है।

सो, पिछले तीन चुनावों में जीत के जो फॉर्मूले थे वो या तो एक्सपोज हो गए

हैं या अप्रासंगिक हो गए हैं। केजरीवाल की अब तक की जीत में एक बड़ा फैक्टर कांग्रेस पार्टी की कमजोरी का रहा है। कांग्रेस को 2013 के विधानसभा चुनाव में 24.60 फीसदी वोट आया था। अगले चुनाव में यानी 2015 में यह घट कर 9.70 फीसदी रह गई। यानी कांग्रेस का वोट 15 फीसदी कम हुआ। यह पूरा वोट और अलग से 10 फीसदी अतिरिक्त वोट आप को मिला, जिससे वह 2013 के 29.50 से बढ़ कर 2015 में 54 फीसदी वोट पर पहुंच गई। भाजपा के वोट में 0.8 फीसदी की कमी आई यानी उसने अपना वोट आधार बचाए रखा। 2020 के चुनाव में कांग्रेस और कमजोर हुई।उसका वोट घट कर साढ़े पांच फीसदी पर आ गया, जबकि आम आदमी पार्टी को लगभग उतना ही वोट आया, जितना 2015 में आया था। इस बार फर्क यह था कि कांग्रेस का जो चार फीसदी के करीब वोट घटा वह भाजपा को चला गया। उसका वोट 33 फीसदी के औसत से बढ़ कर साढ़े 38 फीसदी हो गया। पांच फीसदी वोट बढने से भाजपा की पांच सीटें बढ़ीं।

दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस का वोट प्रतिशत घटते जाने का हिसाब सीधे तौर पर उसकी राष्ट्रीय हैसियत से जुड़ा है। वह 2013 में केंद्र की सत्ता में थी तो दिल्ली विधानसभा में उसे 24 फीसदी से ज्यादा वोट मिला। 2015 के दिल्ली चुनाव के समय तक वह बुरी तरह हार कर 44 लोकसभा सीट वाली पार्टी रह गई थी, जिसे मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा भी नहीं मिला था। अगले चुनाव यानी 2020 में भी उसकी कमोबेश यही स्थिति थी। वह 2014 और 2019 का लोकसभा चुनाव बुरी तरह हारी थी। परंतु 2024 के चुनाव में उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने 99 सीटें जीती हैं और देश भर में उसकी वापसी की चर्चा शुरू हो गई है। भले वह हरियाणा और महाराष्ट्र में हार गई, लेकिन मुस्लिम मतदाताओं में कांग्रेस की ओर रूझान दिखने लगा है। यह अरविंद केजरीवाल के लिए चिंता की बात है।

केजरीवाल की राजनीतिक सफलता मुस्लिम और प्रवासी वोटों पर टिकी हैं। अगर उसका एक हिस्सा कांग्रेस की ओर जाता है तो अरविंद केजरीवाल के लिए मुश्किल होगी। इसलिए वे कांग्रेस से मुस्लिम नेताओं को तोड़ कर उन्हें उम्मीदवार बना रहे हैं। लेकिन इससे नाराज आप के मुस्लिम नेता कांग्रेस और ऑल इंडिया एमआईएम की तरफ जा रहे हैं। आप विधायक अब्दुल रहमान कांग्रेस में गए हैं तो पार्षद ताहिर हुसैन एमआईएम में गए हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी के महरौली के विधायक नरेश यादव कुरानशरीफ की बेअदबी के केस में दोषी ठहराए गए हैं। उनको दो साल की सजा हुई लेकिन केजरीवाल ने उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की।

मुसलमानों में इससे भी अरविंद केजरीवाल के प्रति संशय बढ़ा है। तभी आप, कांग्रेस और एमआईएम के बीच मुस्लिम वोट बंटता है या एकमुश्त आप की ओर जाता है, इस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। मुस्लिम के साथ दलित वोट का रूझान भी निर्णायक होगा। दिल्ली में दलित आबादी बहुत बड़ी है और उसका एकमुश्त वोट आप को मिलता रहा है। परंतु पिछले पांच साल में उसके दो बड़े दलित चेहरे राजकुमार आनंद और राजेंद्र पाल गौतम पार्टी छोड़ कर जा चुके हैं।

केजरीवाल भले अपनी पदयात्रा में हर जगह कह रहे हों कि सभी 70 सीटों पर वे खुद लड़ रहे हैं और लोगों को उम्मीदवारों को नहीं देखना है लेकिन हकीकत यह है कि वे उम्मीदवारों पर सबसे ज्यादा मेहनत कर रहे हैं क्योंकि उनको अपने चेहरे पर भरोसा नहीं रहा। वे छोटे छोटे प्रबंधन में जुटे हैं। बाहर से लाकर नेताओं को टिकट दे रहे हैं। अपने विधायकों की टिकट काट रहे हैं या उनकी सीट बदल रहे हैं और मुफ्त की नई रेवड़ियों की घोषणा कर रहे हैं। 2013 में उन्होंने कांग्रेस को उसी दिन हरा दिया था, जिस दिन ऐलान किया था कि वे नई दिल्ली सीट पर तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के खिलाफ लड़ेंगे।

लेकिन 2024 में उसी दिन कमजोर दिखने लगे, जिस दिन उन्होंने अपने नंबर दो मनीष सिसोदिया की सीट पटपडगंज से बदल कर जंगपुरा कर दी। अरविंद केजरीवाल के नंबर दो नेता, जिन्होंने कथित तौर पर दिल्ली में शिक्षा क्रांति की है, जो कथित तौर पर दिल्ली के बच्चों के ह्यमनीष चाचाह्न हैं, जिनको केंद्र सरकार ने कथित तौर पर सिर्फ इसलिए जेल भेजा ताकि दिल्ली की शिक्षा क्रांति को रोका जा सके, वे उस सीट से चुनाव नहीं लड़ेंगे, जहां से तीन बार जीते हैं। वहां से चुनाव लडने के लिए एक कोचिंग संचालक को लाया गया है, जिनकी रील्स सोशल मीडिया में काफी लोकप्रिय होती हैं। वे थोक के भाव कांग्रेस और भाजपा के पूर्व विधायकों को अपनी पार्टी की टिकट दे रहे हैं।

बहरहाल, इसमें संदेह नहीं है कि अरविंद केजरीवाल अब भी दिल्ली में सबसे बड़ी ताकत हैं। वे लगातार दो विधानसभा चुनावों में 50 फीसदी से ज्यादा वोट लेकर जीते हैं। परंतु इस बार वह स्थिति नहीं दिख रही है। इस बार किसी लहर की बजाय छोटे छोटे प्रबंधनों से और उम्मीदवार बदल कर केजरीवाल सत्ता विरोधी लहर को थामना चाहते हैं तो मुफ्त की नई रेवड़ियों की घोषणाओं से अपने वोट आधार को खुश करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने ऑटो वालों के लिए नई योजनाओं की घोषणा की है। आने वाले दिनों में कुछ और नई घोषणाएं होंगी। ऐसी घोषणाएं तो भाजपा भी करेगी। तभी मुकाबला हर सीट पर होगा और जमीनी प्रबंधन व वोट डलवाने की जिसकी मशीनरी बेहतर होगी वह जीतेगा।

पर्वत बचेंगे तभी मानव सभ्यता, संस्कृति और सेहत का बचाव

अखिलेश आर्येन्दु

भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में पर्वत देवता के रूप में पूजे जाते रहे हैं, लेकिन पहाड़ों के बेतहाशा दोहन से कई समस्याएं पैदा हुई हैं। हम भूल गए कि पहाड़ों के संरक्षण, सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है।

जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल के अनुसार 84 प्रतिशत स्थानीय पर्वतीय प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। संयुक्त राष्ट्र दशक 2021–30 प्रकृति की गिरावट रोकना और वापस लाना दस साल की कोशिश है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर धरती, पर्वत और हवा पर पड़ा है। धरती तेजी से गर्म हो रही है। मौसम असंतुलित हो गया है। प्राकृतिक आपदाएं ज्यादा देखी जाने लगी हैं। पर्वतों का दोहन इतना अधिक किया गया कि दूसरी तमाम तरह की प्राकृतिक दुर्घटनाएं और समस्याएं आए दिन होने लगी हैं। पर्वतों के दोहन को बचाने और पर्वतों के महत्त्व को समझाने के मकसद से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2002 को 'अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस' मनाने की घोषणा की। हर साल 11 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाए जाने का मकसद पर्वतों का संरक्षण, सुरक्षा और उनके दोहन को रोकना है।जाहिर है पर्वत और इंसान का रिश्ता बहुत पुराना है। उतना पुराना जितना मानव सभ्यता। धरती का 27 प्रतिशत हिस्सा पहाड़ों से ढका हुआ है। दुनिया के पंद्रह प्रतिशत आबादी का घर पहाड़ हैं, और दुनिया के लगभग आधे जैव विविधता वाले हॉटस्पाट की मेजबानी भी पहाड़ करते हैं। दुनिया की आधी आबादी के रोजमर्रा की जिंदगी बसर के लिए पानी उपलब्ध कराने का कार्य पहाड़ करते हैं। कृषि, बागवानी, पेय जल, स्वच्छ ऊर्जा और दवाओं की आपूर्ति पहाड़ों के जरिए होती है। दुनिया के अस्सी प्रतिशत भोजन की आपूर्ति करने वाली बीस पौधों की प्रजातियों में से छह की उत्पत्ति और विविधता पहाड़ों से जुड़ी है।

आलू, जौ, मक्का, टमाटर, ज्वार, सेब जैसे उपयोगी आहारों की उत्पत्ति पहाड़ हैं। हजारों नदियों के स्रोत पहाड़ हैं। भारत में नदियों को ही पूजा नहीं जाता, बल्कि अनेक पहाड़ों की पूजा भी की जाती है। तमाम चमत्कारिक घटनाएं पहाड़ों से जुड़ी हैं। तमाम तरह की सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत पहाड़ों से जुड़ी हैं। इसलिए पहाड़ों का संरक्षण हमारा कर्त्तव्य है। सृष्टि–उत्पत्ति के साथ सागर और पहाड़, दोनों मानवता के विकास के आधार रहे हैं, लेकिन जैसे–जैसे नई सभ्यता और संस्कृति के साथ विज्ञान का विकास होता गया वैसे–वैसे पहाड़ और सागर, दोनों प्रदूषित किए जाने लगे। आज हालत यह हो गई है कि पहाड़ और सागर, दोनों का वैभव खत्म होता जा रहा है। जैसे–जैसे वैश्विक जलवायु गर्म होती जा रही है, पर्वतीय ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इससे जैव विविधता पर ही असर नहीं पड़ रहा, बल्कि ताजे पानी की उपलब्धता और औषधियां भी लुप्त हो रही हैं।पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र बढ़ते प्रदूषण की वजह से खतरे में है यानी दुनिया भर में पर्वतों को संरक्षण देने की जरूरत है। पर्वत हमारे लिए कितने उपयोगी हैं, इसे वह समुदाय सबसे ज्यादा जानता है जिसकी रोजमर्रा की जिंदगी की हर कवायद पर्वतों से जुड़ी है। यूं तो पहाड़ों के संरक्षण को लेकर विश्व का ध्यान 1992 में गया जब पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र संघ सम्मेलन में एजेंडा 21 के अध्याय 13 'नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र का प्रबंधन : सतत पर्वतीय विकास' पर जोर दिया गया। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस मनाने से पिछले दस सालों में पर्वतीय पर्यटन तेजी से बढ़ा है लेकिन इसका नुकसान भी देखा गया है। पर्यटकों की लापरवाही से पर्यावरण का नुकसान हुआ और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के कमजोर पडने का खतरा बढ़ा है।

पहाड़ी इलाकों के निवासियों को रोजगार जंगल और पहाड़ से मिलता है। खासकर महिलाओं के लिए पहाड़ किसी खेती से कम नहीं हैं। युवाओं के लिए पर्वतीय जैव विविधता का संबंध आज अधिक विसनीय है क्योंकि कलाकृतियों के संरक्षण, मूर्तिकला और बेहतर स्वास्थ्य पहाड़ों के स्वच्छ पर्यावरण से ताल्लुक रखता है।

सभी पक्ष गंभीर पहलू पर विचार करें

यह बात शायद ही किसी के गले उतरेगी कि दोनों सदनों में संविधान के 75 साल पूरा होने के मौके पर दो–दो दिन की बहस या समाजवादी पार्टी को संभल के मुद्दे पर बोलने का मौका देना सरकार का झुकना है।संसद की कार्यवाही ना चलने देने के मुद्दे पर आखिरकार सरकार अपनी मनवाने में सफल रही। यह संभव हुआ, क्योंकि विपक्षी दलों के बीच रणनीति को लेकर बिखराव हो गया। अडानी और मणिपुर जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर बहस के लिए सरकार को मजबूर करने की कांग्रेस की प्राथमिकता से क्षेत्रीय दलों के मतभेद इतने गहराए कि वह अलग–थलग पड़ गई। उन दलों की अपनी प्राथमिकताएं हैं, जिन्हें सदन में उठाकर अपने समर्थक तबकों को वे संदेश देना चाहते हैं। वैसे भी किसी बड़े पूंजीपति के मुद्दे पर एक सीमा से ज्यादा जोर देना ज्यादातर दलों को अपने माफिक नहीं लगता। यह बात शायद ही किसी के गले उतरेगी कि दोनों सदनों में संविधान के 75 साल पूरा होने के मौके पर दो–दो दिन की बहस या समाजवादी पार्टी को संभल के मुद्दे पर बोलने का मौका देना सरकार का झुकना है।

संविधान के लिए भारतीय जनता पार्टी सरकार को खतरा बताने की विपक्ष–खासकर कांग्रेस की रणनीति वैसे भी परवान नहीं चढ़ी है। हकीकत यह है कि संविधान को आरक्षण के समानार्थी बताते हुए इसके रक्षक के रूप में खुद को पेश कर विपक्ष ने भी इस मुद्दे के साथ न्याय नहीं किया है। पिछड़ी जातियों के प्रतिनिधित्व एवं पहचान के मुद्दे पर भाजपा को घेरना एक भटकी रणनीति साबित हुई है। इसीलिए इसका चुनावी लाभ भी ये दल नहीं उठा पाए हैं। चूंकि विपक्षी दल अपनी एकता के लिए बड़े साझा मकसद की तलाश नहीं कर पाए हैं, इसलिए संसदीय गतिरोध की रणनीति का जो हश्र हुआ, उसका अनुमान लगाया जा सकता था।बहरहाल, बड़ा सवाल यह है कि देश के सामने जो सबसे ज्वलंत मुद्दे हैं, संसद में उन ही बहस नहीं होगी, तो फिर प्रभावित एवं पीड़ित लोगों की निगाह में इस मंच का क्या महत्त्व रह जाएगा? संसद की प्रमुख भूमिका बेशक विधायी कार्यों को निपटाना है, मगर यह राष्ट्रीय चिंताओं और जन आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का मंच भी है। ऐसी अभिव्यक्तियों के अवसर को सीमित करना लोकतंत्र के लिए अच्छी खबर नहीं है।

यो यो हनी सिंह: फेमस की रिलीज तारीख का ऐलान, ट्रेलर भी आया सामने

यो यो हनी सिंह... देश में शायद ही कोई है हिरदेश सिंह उर्फ हनी सिंह के बारे में ना जानते हैं. हनी इंडिया के आइकॉन रैपर हैं. अब हनी सिंह पर की पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर ओटीटी की दिग्गज प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज यो यो हनी सिंह– फेमस तैयार की है, जिसका ट्रेलर रिलीज हो गया है. यो यो हनी सिंह– फेमस के ट्रेलर में हनी सिंह की शुरुआती लाइफ से करियर का स्ट्रगल और फिर कामयाबी के बाद सिंगर की असफलता की कहानी देखने को मिल रही है. वहीं, यो यो हनी सिंह– फेमस ट्रेलर में हनी सिंह का कमबैक नहीं बल्कि अलग ही स्वैग देखने को मिल रहा है.

पंजाबी स्टार सिंगर और वर्ल्डवाइड फेमस रैपर हनी सिंह की डॉक्यूमेंट्री सीरीज यो यो हनी सिंह– फेमस का ट्रेलर में हनी सिंह के जिंदगी के हर पड़ाव को दिखाया गया है. इसमें करियर में होने वाली कंट्रोवर्सी भी देखने को मिल रही है. 2.15 मिनट के यो यो हनी सिंह– फेमस के ट्रेलर में हनी सिंह की मेंटल हेल्थ पर भी बात की गई है. यो यो हनी सिंह– फेमस ट्रेलर की शुरुआत हनी के बिना खिडक़ी वाले घर से होती है, जिसमें वह 24 साल तक रहे और वहां रहकर उन्होंने मशहूर रैपर बनने का सपना पूरा किया. ट्रेलर में सलमान खान ने हनी सिंह की तारीफ कर रहा है, हनी सिंह के पास ऐसी चीज है, जो किसी के पास नहीं हैं और वो यो यो हनी सिंह.

वहीं, यो यो हनी सिंह– फेमस ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे सिंगर की जिंदगी में बुरे दिन आए और करियर डूबता चला गया. वहीं, हनी सिंह ने पर आपत्तिजनक गाने लिखने के आरोप लगे और इसपर हनी सिंह को कानूनी एक्शन का भी सामना करना पड़ा.

भारत 51/4, मैच बचाने के लिए बारिश का सहारा

ब्रिस्बेन, भारत बारिश से प्रभावित तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन सोमवार को अपने चार विकेट मात्र 51 रन पर गंवाकर गहरे संकट में फंस गया है। भारत अभी ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 445 रन से 394 रन पीछे है। भारत की मैच बचाने की सारी उम्मीदें अब बारिश पर टिकी हुई हैं।

वर्षा प्रभावित तीसरे दिन मौसम और खराब रौशनी के कारण अंपायर्स ने स्टंप्स का फ़ैसला ले लिया है। तीसरे दिन का खेल समाप्त होता है। भारतीय टीम मुश्किल में ज़रूर है लेकिन कल अगर वे कम से कम 60 ओवर की भी बल्लेबाज़ी कर लेते हैं तो उनके पास यह मैच बचाने का अच्छा ख़ासा मौक़ा होगा। सबसे ज़रूरी बात – कल भी बारिश की संभावना है। उससे भी ज़रूरी बात –परसों भी बारिश की संभावना है।

गिलेस्पी ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के कोच के पद से क्यों इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, जेसन गिलेस्पी ने खुलासा किया है कि मैच से पहले प्लेइंग इलेवन के बारे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ उनका कोई स्पष्ट संवाद नहीं था और उन्होंने कहा कि रेड–बॉल कोच के रूप में उनकी भूमिका केवल कैचों को मारने तक सीमित रह गई थी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी ने अप्रैल में दो साल के लिए पाकिस्तान के रेड–बॉल कोच का पद संभाला था और अक्टूबर में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में 2–1 से जीत दर्ज की थी। लेकिन गिलेस्पी ने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका में पाकिस्तान की टेस्ट श्रृंखला से पहले अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अकीब जावेद को अब पाकिस्तान का अंतरिम टेस्ट कोच नियुक्त किया गया है और अक्टूबर में गैरी कर्स्टन के पद से हटने के बाद वह व्हाइट–बॉल की जिम्मेदारी भी

संभालेंगे। मुझे लगा कि मैं मूल रूप से कैच पकड़ रहा हूं, और मैच की सुबह बस इतना ही था।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान एबीसी ग्रैंडस्टैंड शो में गिलेस्पी ने कहा, आप सभी हितधारकों, उदाहरण के लिए चयनकर्ताओं के साथ स्पष्ट संवाद करने में सक्षम होना चाहते हैं, ताकि मैच से पहले या कम से कम मैच से एक दिन पहले मुख्य कोच के रूप में टीम के बारे में अच्छी तरह से पता चल सके।उन्होंने यह भी कहा कि उनके और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच संवाद स्पष्ट नहीं था, जबकि उच्च प्रदर्शन कोच टिम नीलसन को बर्खास्त करने और चयन समिति में उनकी भूमिका कम करने सहित, अंततः उन्हें अपनी भूमिका से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। गिलेस्पी ने कहा, मैंने इस पद को खुले दिल से संभाला, मैं यह बात वास्तव में स्पष्ट करना चाहता हूं। मुझे पता था कि पाकिस्तान ने बहुत कम समय में कई कोचों को बदल दिया है, लेकिन मैंने अपना मामला आगे रखा और बताया कि मुझे कैसे लगा कि मैं मदद कर सकता हूं।

रेड 2 की रिलीज तारीख फिर बदली, अजय देवगन ने बताया कब पर्दे पर आएगी फिल्म

अजय देवगन के पास इस समय सीक्वल फिल्मों की भरमार है. ऐसे में उनकी फिल्म रेड के सीक्वल का फैंस पलकें बिछाकर इंतजार कर रहे हैं. पहले रेड 2 इसी साल यानी 2024 में ही रिलीज होने वाली थी. हालांकि मेकर्स ने कई कारणों से फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी. लेकिन अब अजय देवगन ने खुद अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म रेड 2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है.अजय देवगन ने रेड 2 का एक पोस्टर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. इसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा है– आईआरएस अमय पटनायक का अगला मिशन मई 2025 से शुरू! रेड 2, 1 मई

2025 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है. रेड 2 को राज कुमार गुप्ता ने पनोरमा स्टूडियो के बैनर तले डायरेक्ट किया है. फिल्म के भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक ने प्रोड्यूस किया है. अजय देवगन एक बार फिर आईआरएस अमय पटनायक के किरदार में लौट रहे हैं. वाणी कपूर और रितेश देशमुख भी फिल्म में अहम भूमिका अदा करते दिखाई देने वाले हैं. अजय देवगन आखिरी बार अपनी हालिया रिलीज फिल्म सिंघम अगेन में नजर आए थे. ये पिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही. अपने भांजे अमन देवगन की डेब्यू फिल्म आजाद में दिखाई देंगे. ये फिल्म 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कंगना रनौत की इमरजेंसी से टकराएगी.

दिलजीत दोसांझ का नया गाना डॉन जारी

पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ अपने म्यूजिक कॉन्सर्ट दिल लुमिनाटी टूर की वजह से चर्चा में बने हुए हैं। कल यानी 14 दिसंबर को चंडीगढ़ में उनका कॉन्सर्ट है, जिसे लेकर प्रशंसक काफी उत्साहित हैं।अब इससे पहले दिलजीत ने अपना नया गाना जारी कर दिया है, जिसका नाम डॉन है। इस गाने के बोल भी उन्होंने खुद ही लिखे हैं।खास बात यह है कि इस गाने की शुरुआत में प्रशंसकों को शाहरुख खान की आवाज भी सुनने को मिलेगी।

डॉन की शुरुआत में शाहरुख को कहते हुए सुना जा सकता है, पुरानी कहावते है कि सबसे ऊपर जाना है तो बहुत सारी मेहनत चाहिए, लेकिन अगर सबसे ऊपर टिकना है तो मां की दुआ चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया में बुमराह के 50 विकेट लेने के बाद एलन बॉर्डर ने सराहा

ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान एलन बॉर्डर ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज मैल्कम मार्शल जितना ही ऊंचा दर्जा दिया है और कहा है कि उन्होंने बुमराह जैसा कोई गेंदबाज नहीं देखा है, जो शायद ही कभी विकेट लिए बिना गेंदबाजी करता हो। 2024 में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन को जारी रखते हुए, जसप्रीत बुमराह ने कपिल देव के बाद ऑस्ट्रेलिया में 50 टेस्ट विकेट लेने वाले केवल दूसरे भारतीय गेंदबाज बनकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह उपलब्धि तब हासिल हुई जब उन्होंने चल रहे बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन मिशेल स्टार्क को आउट किया। उल्लेखनीय है कि 20वीं सदी की शुरुआत से, ऑस्ट्रेलिया में कम से

कम 20 विकेट लेने वाले किसी भी गेंदबाज ने बुमराह के असाधारण 17.82 से बेहतर गेंदबाजी औसत नहीं बनाए रखा है। बुमराह ने 6–76 के शानदार आंकड़े हासिल किए, जिससे मेजबान टीम ने सोमवार को गाबा टेस्ट के तीसरे दिन अपने अंतिम तीन विकेट सिर्फ 40 रन पर गंवा दिए। बॉर्डर ने न्यूज कॉर्प से कहा, मैं उनकी तुलना मार्शल से ठीक से नहीं कर सकता क्योंकि मैंने कभी बुमराह का सामना नहीं किया, लेकिन उन्हें देखकर लगता है कि दोनों में बहुत अंतर नहीं है। बुमराह असाधारण हैं। वह शायद ही कभी विकेट लिए बिना कोई स्पैल फेंकते हैं। वह अलग हैं। उन्होंने कहा, अपने एक्शन की वजह से, वह गेंद को बाद में छोड़ देते हैं। और वह हर समय मुस्कुराते रहते हैं। वह लगातार तीन बार बल्लेबाज को चकमा दे सकते हैं और हर बार मुस्कुराते हैं। मैंने उनके जैसा कोई नहीं देखा। इससे पहले दूसरे दिन, 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया में अपना तीसरा टेस्ट पांच विकेट हॉल दर्ज किया। भारतीय गेंदबाजों में, केवल कपिल देव ने ऑस्ट्रेलिया में पांच बार पारी में पांच विकेट हॉल दर्ज किए हैं, जबकि अनिल कुंबले ऑस्ट्रेलियाई धरती पर चार बार पांच विकेट के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

एक नजर

प्रमुखों व प्रधानों ने ग्रहण किया प्रशासक का कार्यभार

श्रीनगर गढ़वाल : जिले के सभी 9 ब्लॉक में क्षेत्र पंचायत के निवर्तमान प्रमुखों और ग्राम पंचायतों में निवर्तमान ग्राम प्रधानों ने सोमवार को प्रशासक का कार्यभार ग्रहण कर लिया। सभी ने एक स्वर में अपने क्षेत्रों का समान रूप से विकसित करने का संकल्प लेते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी सहित पूरी सरकार का आभार जताया है। सोमवार को जाखणीधार में प्रमुख सुनीता देवी, प्रतापनगर में प्रदीप रमोला, चंबा में शिवानी बिष्ट, भिलंगना में बसुमति घणाता, नरेंद्रनगर में राजेंद्र भंडारी सहित ग्राम प्रधानों ने अपने-अपने ब्लॉक मुख्यालयों में प्रशासक का कार्यभार ग्रहण कर लिया। फकोट में बीडीओ श्रुति वत्स ने प्रशासक का कार्यभार ग्रहण करवाया। कहा कि शासन के निर्देशानुसार पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशासक के रूप में कार्यभार ग्रहण करवाया गया। अब वे इसी के आधार पर आगे कार्य कर पाएंगे। प्रशासक राजेंद्र भंडारी ने कहा कि यह सरकार की अच्छी पहल है।

महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ना चिंताजनक

श्रीनगर गढ़वाल : देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गढ़वाल विवि की छात्रा प्रतिनिधि और आइसा छात्र संगठन की प्रियंका खत्री ने राष्ट्रपति को पत्र भेजा है। प्रियंका ने कहा कि साल-दर-साल राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ना चिंताजनक है। उन्होंने निर्भया कांड, अंकिता भंडारी हत्याकांड, देहरादून आईसबीटी गैंगरेप, सल्ट में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म, लालकुआं में दुग्ध संघ अध्यक्ष द्वारा महिला कर्मचारी का यौन शोषण आदि मामलों को याद करते हुए पुलिस और प्रशासन की असंवेदनशीलता बताकर पीड़ितों का न्याय पर भरोसा कम होना बताया है। प्रियंका ने कार्य स्थलों में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, पुलिस को लैंगिक रूप से संवेदनशील बनाने के लिए प्रशिक्षित किये जाने, राष्ट्रीय और राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति के समय जेंडर संवेदनशीलता नियुक्ति का मुख्य आधार रखने की मांग की है। (एजेंसी)

केवि पौड़ी का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : केंद्रीय स्कूल पौड़ी में केंद्रीय विद्यालय संगठन का 62वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य अनीता बिष्ट ने किया। उन्होंने केंद्रीय विद्यालय संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए पीएम श्री योजना के तहत स्कूल में नए कार्यक्रमों और योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि इस योजना के तहत केंद्रीय विद्यालयों को उच्च तकनीकी संसाधनों, स्मार्ट क्लासरूम और बेहतर बुनियादी ढांचे से सुनिश्चित किया रहा है। इस दौरान बच्चों द्वारा उत्तराखंड की लोक संस्कृति, विज्ञान खिलौना, पुस्तकालय बस्ता रहित दिवस आदि की प्रदर्शनी भी लगाई। इस मौके पर डा. मुकेश रावत, अजय पंवार, विजय कपरवान, मनोज गौड़ आदि मौजूद रहे।

तीन दिवसीय मकरैण मेला 12 जनवरी से

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सोमवार को घुसगलीखाल में आगामी 12 जनवरी से शुरू होने वाले तीन दिवसीय मकरैण मेले के आयोजन के संदर्भ में एक बैठक आहूत की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि मेले में महिला मंगल दलों के लिए भजन कीर्तन, थड़िया, चौंफला, वॉलीबॉल, जूनियर वर्ग की क्रिकेट प्रतियोगिता, बालक-बालिका, महिला-पुरुष वर्ग में रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। मेले को भव्य रूप देने के लिए छात्र-छात्राओं और शिक्षण संस्थाओं, विभिन्न महिला मंगल दलों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर सचिव तेजपाल सिंह, क्रीड़ा समिति के अध्यक्ष नीरज पटवाल, संरक्षक अनसूया प्रसाद, संयोजक कैलाश प्रसाद, संतोष नयाल, विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

गौरव सैनानियों और वीर नारियों का किया सम्मान

श्रीनगर गढ़वाल : पूर्व सैनिक सेवा कल्याण समिति श्रीकोट गंगानाली ने विजय दिवस पर सोमवार को वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गौरव सैनानियों और वीर नारियों में सुभद्रा नेगी, चन्दर सिंह रावत, उदय सिंह रावत सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संगठन के प्रथम अध्यक्ष हयात सिंह झिक्वांण ने बताया कि दिसंबर 1971 को हमारी सेना ने अपने पराक्रम और साहस के बलबूते पाकिस्तानी सैनिकों को शिकस्त दी थी।

स्थापना दिवस में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

धूमधाम के साथ मनाया गया किंगडम आफ हेवल चाइल्ड केयर सोसायटी का स्थापना दिवस

कोटद्वार के प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते बच्चे

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बदरीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह में किंगडम आफ हेवल चाइल्ड केयर सोसायटी का स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम देखने को मिली। बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी व निर्वतमान महापौर हेमलता नेगी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। इसलिए हमें उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। इस तरह के छोटे-छोटे मंचों से ही बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। निर्वतमान महापौर हेमलता नेगी ने बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने लिए प्रेरित किया। कहा कि हमें जीवन में लक्ष्य तय कर उसकी प्राप्ति के लिए प्रयास करने चाहिए। इस दौरान बच्चों ने हिंदी, पंजाबी सहित अन्य गीतों पर मनमोहक प्रस्तुति दी। महिला समूहों की प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। संस्था के संस्थापक नवीन मैसी ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए प्रतिवर्ष इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस मौके पर निधि मैसी, गीता वर्मा, आर्यन, पूनम, गौरव, संजू आदि मौजूद रहे।

महिलाओं को स्वरोजगार से जुड़ने के लिए किया प्रेरित

कोटद्वार के दुर्गापुरी में आयोजित कार्यक्रम में महिला समूह को संबोधित करते वक्ता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : महिलओं को सशक्त बनाने के लिए एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी की ओर अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत सदस्यों ने महिलाओं को स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। दुर्गापुरी क्षेत्र में संस्था की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इससे पूर्व, महिलाओं ने स्वच्छता को लेकर जागरूकता रैली भी निकाली। कार्यक्रम संयोजक शिवांगी जोशी ने महिलाओं को स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपने परिवार की आर्थिकी को मजबूत बनाना चाहिए। इसके उपरांत महिलाओं को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि हमें सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा डालने के बजाय कूड़ेदान का उपयोग करना चाहिए। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विपिन कैंथोला व समाजसेवी गौरव जोशी ने संस्था के कार्यों की सराहना की। इस मौके पर मंजू देवी, जगदंबा नेगी, विमला देवी, यशोदा देवी, विंदी राणा, दुर्गा देवी आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक

महाविद्यालय में आयोजित गोष्ठी में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय महाविद्यालय कोटद्वार में पर्यावरण प्रकोष्ठ की ओर से पर्यावरण संरक्षण विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की गई। महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि जैव विविधता की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण संरक्षण का बहुत महत्व है। कहा कि प्रकृति का संरक्षण करना उसकी पूजा करने के समान है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण सरंक्षण अधिनियम संसद में 23 मई 1986 को पारित किया गया और 19 नवंबर 1986 को लागू किया गया था। इसमें चार अध्याय एवं 26 धाराएं है। कहा कि इसको पारित करने के लिए मुख्य उद्देश्य सयुंक्त राष्ट्र के पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में किये गए प्रयासों को भारत में कानून बनाकर लागू करना है। डा. नीता भट्ट ने जल संरक्षण, मृदा सरंक्षण, वन सरंक्षण, वन्य जीव सरंक्षण व जैव विविधता सरंक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर डा. सुमन राणा, डा. श्वेता कुकरेती, डा. रोशनी असवाल, डा. मीनाक्षी वर्मा, डा. सरिता चौहान, डा. स्मिता तिवारी मौजूद रहे।

गढ़वाली व हिंदी काव्य गोष्ठी को लेकर की चर्चा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की बैठक में पोखड़ा में होने वाली गढ़वाली व हिंदी काव्य गोष्ठी की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं को प. विलोचन प्रसाद नवानी छात्रवृत्ति देने का भी निर्णय लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रामीण विकास मंच के अध्यक्ष प्रवेश चंद्र नवानी ने किया। सर्वप्रथम प्रखंड पोखड़ा के गंवाणी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुझाव मांगे। विचार मंच के अध्यक्ष प्रवेश नवानी ने कहा कि कार्यक्रम में क्षेत्रीय लेखक व कवियों को आमंत्रित किया जाएगा। एक दर्जन शासकीय व असाशकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को आमंत्रित किया गया है। कहा कि इस बार उच्च शिक्षा के लिए एक छात्रा या छात्र को पूर्ण कालिक छात्रवृत्ति दी जाएगी। जिसका पूरा खर्चा आईआईटी कानपुर के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डा. राजेंद्र प्रसाद नवानी वहन करेंगें। इस मौके पर शिव प्रसाद कुकरेती, विजय लखेड़ा, डा. चंद्रप्रभा कंडवाल, विद्या नवानी, नरेंद्र सिंह रावत, राजेंद्र वर्मा, शंकर दत्त गौड़ मौजूद रहे।

समाज सेवा के लिए प्रधानाध्यापक प्रमोद चौधरी को किया सम्मानित

शिक्षक प्रमोद कुमार चौधरी को सम्मानित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बेहतर समाज सेवा के लिए भारतीय दलित साहित्य अकादमी गढ़वाल मंडल की ओर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय कंदलाई रिखणीखाल के प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार चौधरी को डा. अंबेडकर राष्ट्रीय सेवाश्री सम्मान दिया गया। सदस्यों ने समाज के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित करने का भी निर्णय लिया। सोमवार को भारतीय दलित साहित्य अकादमी की ओर से पदमपुर सुखरो में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. एसपी सुमनाक्षर, डा. मनोज कुमार व अकादमी के मंडलीय अध्यक्ष डा. सुरेंद्र लाल आर्य की ओर से प्रमोद कुमार चौधरी को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्रमोद कुमार चौधरी लगातार सेमाज सेवा में अपना योगदान दे रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी वह बेहतर कार्य कर रहे हैं। सम्मान के रूप में सदस्यों ने उन्हें पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। वक्ता मनोज कुमार ने कहा कि शिक्षा से मनुष्य का चहुंमुखी विकास होता है। 21वीं सदी विज्ञान की सदी है हमें विज्ञान की ओर बढ़ना होगा। विशिष्ट अतिथि सतीश कुमार (सेनि तहसीलदार) ने कहा कि तर्क व विवेक की कसौटी पर खरी उतरी चीजों को ही मानना चाहिए। सभा की अध्यक्षता अकादमी के मंडलीय अध्यक्ष डा. सुरेन्द्र लाल आर्य व संचालन संजीव कुमार ने किया। इस मौके पर सुदीप बौंठियाल, बृजपाल सिंह, मनोज कुमार, आशुतोष टम्टा, सतीश कुमार आदि मौजूद रहे।

आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे ट्रक चालक व परिचालक

ओवर लोडिंग के खिलाफ शासन-प्रशासन को दिया ज्ञापन

कोटद्वार तहसील में प्रदर्शन करते ट्रक चालक व परिचालक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रविवार को सिद्धबली के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे धरने पर डटे ट्रक चालक व परिचालकों को पुलिस ने मुकदमें की धमकी देकर हटवा दिया था। लेकिन, सोमवार को ट्रक चालक व परिचालकों ने तहसील में पहुंचकर शासन-प्रशासन को ज्ञापन देते हुए ओवर लोडिंग के खिलाफ आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। कहा कि ओवर लोडिंग के नाम पर ट्रक चालक व परिचालकों का शोषण किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ओवर लोडिंग के नाम पर शोषण का आरोप लगाते हुए ट्रक चालक व परिचालकों ने दस दिसंबर को पुलिस के खिलाफ तिलबाढांग चौकी के समीप आंदोलन शुरू किया था। आंदोलनरत ट्रक चालक व परिचालकों ने पहाड़ जाने वाले माल वाहक वाहनों को भी रूकवा शुरू कर दिया था। जिससे पर्वतीय क्षेत्रों में आवश्यक सामग्री की किल्लत होने लगी थी। ऐसे में रविवार दोपहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार मौके पर पहुंचे और आंदोलन कर रहे ट्रक चालक व परिचालकों को उक्त स्थान से तहसील में शिफ्ट होने की चेतावनी देने लगे। यही नहीं ट्रक चालक व परिचालकों को एक घंटे में शिफ्ट नहीं होने पर मुकदम दर्ज करने की भी चेतावनी दी गई। इसके बाद ट्रक चालक व परिचालकों ने तिलबाढांग से अपना टैंट हटाकर आंदोलन समाप्त कर दिया था। वहीं, सोमवार सुबह ट्रक चालक व परिचालक तहसील में पहुंचे और उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते हुए पहाड़ में ओवर लोडिंग नहीं थमने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। कहा कि ओवर लोडिंग की जांच के लिए सिद्धबली के समीप धर्मकांटा लगाया जाना चाहिए। यदि जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। इस मौके पर गजेंद्र सिंह रावत, धीरज सिंह, राजेंद्र सिंह, महबूब अली, जितेंद्र प्रसाद, सतेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, कमल सिंह, जगमोहन, मनमोहन, गजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रिखणीखाल पुलिस ने ग्राम घांघली में अभियान चलाते हुए ग्रामीणों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया। कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए आमजन का जागरूक होना आवश्यक है। रिखणीखाल थाने के थाना प्रभारी संतोष पैथवाल के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। संतोष पैथवाल ने कहा कि वर्तमान में बढ़ रहे साइबर अपराध के प्रति हमें जागरूक रहना होगा। किसी भी अंजान व्यक्ति को अपने बैंक से संबंधित जानकारी न दें। साइबर ठगी होने पर तुरंत अपने बैंक या पुलिस थाने व कोतवाली से संपर्क करें। बताया कि साइबर अपराध से बचाव के लिए हमें अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना चाहिए। पुलिस ने बच्चों को भी गुड टच-बेड टच के बारे में जानकारी दी। उपनिरीक्षक संजय असवाल ने कहा कि बच्चों व बड़ों को पूरी सावधानी के साथ इंटरनेट का उपयोग करना चाहिए। साइबर ठग इंटरनेट मीडिया के माध्यम से ही लोगों को अपना शिकार बनाते हैं।

बीएड प्रशिक्षित युवा संघ की बैठक आयोजित

व्यायाम शिक्षकों के पदों को समाप्त करने का कड़ा विरोध जताया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार :बीएड प्रशिक्षित युवा संघ की एक बैठक का आयोजन नंदपुर में किया गया जिसमे वक्ताओं ने माध्यमिक बिद्यालयों से व्यायाम शिक्षकों के पदों को समाप्त करने का कड़ा बिरोध जताया शासनादेश को अविलम्ब वापस लेने की मांग की गयी।

संघ प्रवक्ता अरविन्द दुदपुड़ी ने कहा कि माध्यमिक स्तर पर सीमित संसाधनों के बाबजूद खेल के क्षेत्र में छात्र छात्राओं ने बिभिन्न स्तर पर सफलता का परचम लहराया है । साथ ही बिद्यालय के साथ साथ उत्तराखंड का नाम रोशन किया है ।

माध्यमिक बिद्यालयों में व्यायाम शिक्षक एक उत्कृष्ट कोच और मार्ग दर्शक का कार्य करता है नये शासनादेश में शारिरक शिक्षा व्यायाम के पद सृजन न किये जाने की व्यवस्था अफ़सोसजनक है। रोजगार व भविष्य की संभावना के मध्यनजर इस बिषय में कैरियर चुनने के लिये माध्यमिक स्तर पर व्यायाम शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है ।

अरविन्द दुदपुड़ी की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन संजीव कुमार ने किया बैठक में संघ के अध्यक्ष अजय खंतवाल, राकेश भट्ट दीपक डोबरियाल, मुकेश सुन्द्रियाल ,सुशील बिष्ट, प्रदीप नेगी, आशीष डोभाल, नीरज खत्री,मोहित ठाकुर, नवीन गोड,अनिल रतुड़ी,कमल किशोर धस्माना आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे नाम पर भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी संख्या- 272332148 पंजीकृत है। उपरोक्त पॉलिसी में त्रुटिवश मेरा नाम अनन्या जदली पुत्री श्री संतोष चन्द्र अंकित हो गया है। जबकि मेरा वास्तविक व सही नाम अनुराधा (ANURADHA) पुत्री श्री संतोष चन्द्र है, जो कि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड व शैक्षणिक अभिलेखों में दर्ज है।

अनुराधा पुत्री श्री संतोष चन्द्र निवासी ग्राम व पोस्ट पदमपुर सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल, उत्त-राखण्ड।

(0614/21)

पवनदेव ने जीता टूर्नामेंट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डाडामंडी में सोमवार को आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का पहला मुकाबला पवनदेव के नाम रहा। प्रतियोगिता में बीस से अधिक टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। राजकीय ऐतिहासिक पौराणिक गेंद मेला सांस्कृतिक एवं क्रीडा समिति की ओर से गेंद मेले से पूर्व खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत चल रही क्रिकेट प्रतियोगिता में सोमवार को पहला मुकाबला पवनदेव व झटरी के बीच खेला गया।

झटरी ने टास जीतकर पहले फिल्डिंग करने का निर्णय लिया। पवनदेव टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 112 रन बनाए। जवाब में झटरी की टीम 16 ओवर में मात्र 106 रन ही बना पाई। दूसरा मैच अकाल-उधांर टीम व रण्वांकुरा के बीच खेला गया। रणवांकुरा की टीम ने टास जीतकर फिल्डिंग करने का निर्णय लिया। निर्धारित ओवर में उकाल-उंधार टीम ने 146 रन बनाए, जबकि, रणवांकुरा की टीम 99 रन पर आल आउट हो गई। इस मौके पर अकुंश रावत, अभिषेक गुसाईं, किशन चौधरी, हरेंद्र सिंह रावत, जीतेंद्र नाथ, चंद्रमोहन आदि मौजूद रहे।

विजय दिवस पर गौरव सैनानियों व वीरांगानाओं को किया सम्मानित

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते पूर्व सैनिक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : क्षेत्र में विजय दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। संगठनों ने वीर सैनिकों के योगदान को याद करते हुए गौरव सैनानियों व वीरांगनाओं को सम्मनित किया।

सोमवार को पूर्व-सैनिक सेवा परिषद की ओर से मेहरबान सिंह कंडारी विद्या मंदिर इंटर कालेज कालाबड में विजय दिवस मनाया गया। सदस्यों ने शहीद प्रेम सिंह बिष्ट की धर्मपत्नी सावित्री देवी को सम्मानित किया। इस मौके पर परिषद के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, प्रधानाचार्य चंदन सिंह नकोटी, सीपी डोबरियाल, बलवान सिंह रावत, अनिल डबराल, अनूप बिष्ट, यशपाल सिंह रावत, संजय असवाल, विपुल उनियाल, मनमोहन कुकरेती आदि मौजूद रहे। पूर्व सैनिक संघर्ष समिति से जुड़े पूर्व सैनिकों ने विजय दिवस पर समाज सेवा का संकल्प लिया। कहा कि पहले सीमा पर देश की रक्षा करने के बाद अब पूर्व सैनिक समाज की भी सेवा में अपना योगदान देंगे। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष महिंद्र पाल सिंह रावत, देवेंद्र रावत, मदन सिंह, गोपाल सिंह, मेहरबान सिंह आदि मौजूद रहे। वहीं, जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में आयोजित कायक्रम में वीर सैनिकों व उनकी वीरांगनाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष डबराल, बलवीर सिंह रावत, वीरेंद्र सिंह, प्रेम सिंह पयाल आदि मौजूद रहे। जिला कांग्रेस पूर्व सैनिक प्रकोष्ट की ओर से पटेल मार्ग स्थित एक बारात घर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निवर्तमान महापौर हेमलता नेगी व पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने 1971 की जंग में शामिल वीर सैनिकों को सम्मानित किया।

छात्रों का धरना जारी, तकनीकी शिक्षा मंत्री को भेजा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जीबी पंत प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी संस्थान घुड़दौड़ी के प्रथम वर्ष के छात्रों ने सेमेस्टर परीक्षा इसी महीने किए जाने पर नाराजगी जताते हुए सोमवार को भी कॉलेज गेट पर धरना दिया। इस मौके पर छात्रों ने विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से तकनीकी शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा। कहा कि इस महीने होने वाली सेमेस्टर स्थगित कर फरवरी में आयोजित की जाए।सोमवार को जीबी पंत प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी संस्थान घुड़दौड़ी के प्रथम वर्ष के छात्रों ने गेट पर धरना देते हुए कहा कि इस सेमेस्टर में स्वायत्ता बरकरार रखी जाए। आक्रोशित छात्रों ने कहा कि कॉलेज में संस्थान में मेडिकल सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। यहां पर सिर्फ 1 एबुलेंस है, जिसमें पर्याप्त मात्रा में मेडिकल सुविधा उपलब्ध नहीं है। छात्रों को मेडिकल सुविधा के लिए 11 किमी. दूर पौड़ी जिला अस्पताल की दौड़ लगानी पड़ती है। उन्होंने छात्रों को बेहतर मेडिकल सुविधा देने, इस सेमेस्टर में स्वायत्ता बरकरार रखने, इस महीने होने वाली सेमेस्टर स्थगित कर फरवरी में आयोजित करने, सर्दियों में गरम पानी की सुविधा करने, छात्रावासों की स्थितियों को सुधारने की मांग उठाई।

शिक्षकों ने लिया बोर्ड परीक्षाओं के बहिष्कार का निर्णय

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ी : राजकीय शिक्षक संघ की बैठक में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्व में प्रदेश सरकार ने शिक्षकों की समस्याएं हल करने का आश्वासन तो दिया, लेकिन आज तक शिक्षकों की कई समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ। जिससे शिक्षकों में रोष व्याप्त है।

सोमवार को आयोजित संघ की बैठक में सभी स्तरों की पदोन्नति, अंतरमंडलीय तबादले, चयन-प्रोन्नत वेतनमान पर वेतनवृद्धि, कनिष्ठ-वरिष्ठ वेतनमान, नए स्कूलों में व्यायाम का पद सृजन करने, यात्रा अवकाश, कोटिकरण की श्रेणियां लागू करने, तदर्थ सेवाओं का लाभ, सभी को मत देने के अधिकार के लिए संविधान संशोधन आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि इन मुद्दों को लेकर सरकार से कई बार वार्ता की गई, जिस पर सरकार ने आश्वासन दिया लेकिन आज तक ये समस्याएं हल नहीं हो पाई है। जिससे शिक्षकों में नाराजगी बनी हुई है। बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही शिक्षकों की विभिन्न समस्याएं हल नहीं होने पर संगठन बोर्ड परीक्षाओं का बहिष्कार करेगा।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

No - MC-14-CAMC-HS-SPARMV-ROZA-24 **Date 11.12.2024**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मंडल यांत्रिक अभियंता मुरादाबाद के द्वारा ई टेंडर संख्या MC-14-CAMC-SPARMV-PP-ROZA-24 के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 02.01.2025 को 11:00 बजे है जो बंद होने के बाद किसी भी समय वैबसाइट पर खोले जाएगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

विभाग	सी & डब्लू	टेंडर सं.	MC-14-CAMC-SPARMV-PP-ROZA-24
कार्य का नाम	"Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) for Inspection & Servicing of HS-SPARMV Hydraulic & Transmission system (power pack) for a period of three years at ROZA of MB Division" with OEM or their authorized agent on Single Tender Basis.		
निविदा टाइप	एकल	बिडिंग स्टाइल	एकल पैकेट सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनॉक एवं समय		02.01.2025, 11:00 बजे	
एडवेरटाइज्ड वेल्यू	Rs. 1,18,76,650.78/-	ऑफर की वैधता	45 दिन

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

3845/24

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मंडल यांत्रिक अभियंता मुरादाबाद के द्वारा ई टेंडर संख्या **M-14-CAMC-HS-SPARMV-ROZA-24** के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय **01.01.2025, 17:30 बजे** है जो बंद होने के बाद किसी भी समय वेबसाइट पर खोले जाएंगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

विभाग	सी & डब्लू	टेंडर सं.	M-14-CAMC-HS-SPARMV-ROZA-24
कार्य का नाम	Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) of Cummins Engines (NTA 14R 02 nos. and QSB5.9G1 02 nos.) of HS-SPARMV at ROZA of MB Division for a period of three years.		
निविदा टाइप	खुला	बिडिंग स्टाइल	दो पैकेट सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनांक एवं समय		01.01.2025, 17:30 बजे	
एडवेरटाइज्ड वेल्यू	92,33,480.01 रुपये	ऑफर की वैधता	60 दिन

सं.: M-14-CAMC-HS-SPARMV-ROZA-24 दिनांक: 11.12.2024 3844/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

मानकों के जरिए विज्ञान को साधने पर दिया जोर

देहरादून। मानक ब्यूरो की ओर से सोमवार को मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षकों को मानक ब्यूरो द्वारा तैयार किए गए 52 अध्यायों का प्लान दिया गया। जिन्हें शिक्षक अपने विद्यालयों में बच्चों को मानकों के विषय में जानकारी देने के लिए उपयोग करेंगे। मोहब्बेवाला स्थित एक होटल में संयुक्त निदेशक शिक्षा विभाग कुलदीप गौरेला ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यशाला में 80 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। इसमें नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, उत्तरकाशी, बागेश्वर, चम्पावत, बिजनौर आदि क्षेत्रों के विद्यालय शामिल थे। गौरेला ने कहा कि मानकों को बच्चों तक पहुंचाना शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इस कार्य में शिक्षकों की भूमिका अहम है। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से शिक्षक स्कूलों में जाकर बच्चों को मानकों के महत्व और विज्ञान से जुड़ी जानकारी प्रदान करेंगे। बीआईएस देहरादून शाखा के निदेशक सौरभ तिवारी ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों तक मानकों में निहित विज्ञान का सार पहुंचाना है।

उपयोग से बाहर बैंक खातों को पुनः सक्रिय कराएं

देहरादून। पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने प्रधानमंत्री जन धन योजना खातों सहित सभी निष्क्रिय खातों को पुनर्जीवित करने के लिए एक देशव्यापी अभियान शुरू किया है। अभियान 24 दिसंबर तक चलेगा। इसमें सक्रिय खातों को बनाए रखने के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा। अभियान देश भर में ग्राहक से जुड़ने और अनुभव को बढ़ाने, वित्तीय समावेशन को मजबूत करने और अपने चालू खाता और बचत खाता (कासा) जमा आधार को मजबूत करने का प्रयास है। निष्क्रिय या गैरक्रियाशील खातों का अर्थ जिसमें दो साल से अधिक समय से कोई ग्राहक प्रेरित लेनदेन नहीं किया गया है। ऐसे खातों को फिर से सक्रिय करने के लिए ग्राहकों को अपने अपडेट किए गए केवाईसी दस्तावेज फिर से जमा करने होंगे।

स्कूलों से संबंधित रिपोर्ट 15 दिन के भीतर प्रस्तुत करें अधिकारी : डीएम

आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में हुए प्रवेशों की रिपोर्ट तलब

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में समग्र शिक्षा एवं पीएम पोषण जिला परियोजना समिति की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी से बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार 15 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आरटीई के तहत निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों में हुए प्रवेशों की रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने कहा कि विभाग रिपोर्ट में इसका स्पष्ट उल्लेख करें कि आरटीई के तहत पर्यावरण मित्रों, बीपीएल व अंत्योदय परिवारों और मलिन बस्तियों में रह रहे लोगों के पाल्यों का एडमिशन हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि उनको निरीक्षण के दौरान कहीं भी एडमिशन में गड़बड़ी मिली, तो संबंधित का जवाब-तलब किया जाएगा।सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में संपन्न बैठक में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। उन्होंने आपदा से क्षतिग्रस्त विद्यालयों की मरम्मत के लिए मांगे गए बजट और कराए गए कार्यों की रिपोर्ट तलब की। मुख्य शिक्षा अधिकारी नागेंद्र बर्त्वाल ने बताया कि जिले में 1354 सरकारी प्राथमिक विद्यालय, 254 उच्च प्राथमिक विद्यालय और 302 हाईस्कूल व इंटरमीडिएट विद्यालय हैं। शिक्षा विभाग के अंतर्गत तीन केंद्र पोषित योजनाएं समग्र शिक्षा, पीएम श्री योजना और पीएम पोषण योजना संचालित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के चिन्हीकरण हेतु चार स्थानों में कैंप लगाए गए थे। इसमें विशेष सहायता उपकरणों हेतु 68 बच्चों को चिन्हित किया गया। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मानसिक और शारीरिक रूप से दिव्यांग बच्चों की आवश्यकता का आंकलन कर उनको शिक्षण और अन्य सुविधाएं मुहैया करवाई जाए। उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय छात्रावासों, कस्तूरबा गांधी आवासीय छात्रावास त्रिपालीसैंण का निरीक्षण तथा पीएम श्री स्कूलों का निरीक्षण कर यह देखने के निर्देश दिए कि विद्यालय मानकों के तहत संचालित हो रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि स्मार्ट कक्षाओं और व्यावसायिक शिक्षा से छात्र-छात्राओं को लाभ हो रहा है या नहीं, इसका आंकलन किया जाए। विद्यालयों में उपलब्ध उपकरणों और संसाधनों का सही उपयोग करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने छात्रावासों में रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट लगाने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य शिक्षा अधिकारी नागेंद्र बर्त्वाल, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी, जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे।

क्षेत्र आधारित परिसीमन की मांग को लेकर रैली निकाली

देहरादून(आरएनएस)। उत्तराखंड समानता पार्टी ने क्षेत्रफल के आधार पर परिसीमन की मांग उठाई है। अपनी मांग को पार्टी ने सोमवार को परेड ग्राउंड से शहीद स्थल कचहरी तक रैली निकाली। जिस दौरान राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों और अन्य तथ्यों के आधार पर अगले चुनाव नए परिसीमन के आधार पर करने की भी मांग की गई। पार्टी के बैनर तले बड़ी संख्या में लोग परेड ग्राउंड में जमा हुए। वहां से लैंसडाउन चौक, बुद्धा चौक होते हुए दून अस्पताल चौक से फिर कचहरी पहुंचे। जहां शहीद आंदोलनकारियों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद लोगों ने वहां बैठकर परिसीमन की जरूरत और स्वरूप पर चर्चा की। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिटायर आईएफएस डा. वीके बहुगुणा ने कहा कि पार्टी 2026 में होने वाल लोकसभा और विधानसभा सीटों का परिसीमन क्षेत्रफल के आधार पर करने की मांग कर रही है। कहा कि पर्वतीय जनपदों में जनसंख्या के आधार पर परिसीमन हुआ तो उत्तराखंड राज्य बनने का जो सपना देखा था वह समाप्त हो जाएगा। वर्तमान में मानव पलायन के कारण पर्वतीय जनपदों की जनसंख्या काफी घट गई है जिस कारण यदि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन हुआ तो लोकसभा और विधानसभा की सीटें भी घटनी स्वाभाविक है, और सीटें घटने पर पहाड़ का विकास प्रभावित होगा। एक मुख्य बिंदु यह भी है कि उत्तराखंड राज्य सीमावर्ती राज्य है जिसका अधिकांश भाग पहाड़ी क्षेत्र है। यदि पहाड़ की सीटें घटेंगी तो मानव पलायन जारी रहेगा और सीमावर्ती राज्य होने के कारण देश की सुरक्षा भी प्रभावित होगी। इस दौरान समाजसेवी मनोज ध्यानी,प्रमुख महासचिव एलपी रतूड़ी, उपाध्यक्ष सीएस नेगी, महासचिव टीएस नेगी, प्रवक्ता वीके धस्माना और अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ आशुतोष कोठारी,विनोद नौटियाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने 1971 की गौरवगाथा को किया नमन

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पंडित दीन दयाल पार्क में आयोजित सड़क संसद में शामिल हुए। उन्होंने यहां 1971 के युद्ध के शहीदों को नमन किया। साथ ही कहा कि आज बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, उस पर केंद्र सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। हरीश रावत ने कहा कि 1971 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के त्वरित और दृढ़ निर्णय के साथ ही सेना के अदम्य साहस ने देश के भारतीय उपमहाद्वीप का भूगोल बदलने के साथ ही नया इतिहास रचने का काम किया।

अमेरिका की धमकी के आगे इन्दिरा गांधी अडिग रहीं। लेकिन आज जो कुछ बगंलादेश मे हो रहा है, वह काफी चिंताजनक है। भारत को अपने अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों और कूटनीति का भी प्रयोग इस मौके पर करना चाहिए। भारत सरकार बंगलादेश में हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए जो भी कदम उठायेगी हम उनके साथ हैं। क्योंकि बांग्लादेश के घटनाक्रम की वजह से देश की उत्तर पूर्व सीमा पर सुरक्षा गंभीर चुनौती बनती जा रही है। कामरेड समर भण्ड़ारी, समाजवादी पार्टी के एसएन सचान, जगदीश कुकरेती ने भी भारतीय सेना के शौर्य को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आयोजक प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि 1971 में भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से लगातार अपील की थी, लेकिन कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर भारत ने कठोर कदम उठाया। आज के हालात में भारत सरकार न कोई अपील कर रही है और न ही किसी तरह का कोई हस्तक्षेप। संचालन मोहन सिंह नेगी ने किया।

कृषि कर्मियों ने मांगा प्रमोशन को दो स्तरीय ढांचा

देहरादून। कृषि विभाग के अधीनस्थ सेवा कर्मचारियों ने वर्ग दो और वर्ग तीन का विलय करते हुए प्रमोशन में द्विस्तरीय ढांचा लागू करने की मांग की। सोमवार को रिंग रोड स्थित किसान भवन में अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के सातवें द्विवर्षीय अधिवेशन में कर्मचारियों ने कृषि मंत्री गणेश जोशी के सामने विभागीय ढांचे की विसंगतियों का मुददा जोरशोर से उठाया। जोशी ने संघ के मांग में पत्र में शामिल सभी छह मांगों पर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। कहा कि जल्द ही उच्च स्तरीय बैठक बुलाकर लंबित मांगों का समाधान किया जाएगा। नए साल में कर्मचारियों की ज्यादा से ज्यादा मांगों को सुलझा लिया जाएगा। दीप जलाकर अधिवेशन का का उदघाटन करने के बाद जोशी ने ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी किसी भी विभाग की रीढ़ होती है। जब वे जनहित में प्रभावी रूप से काम करते हैं तो सरकार के प्रति जनता का विश्वास और बढ़ता है। कृषि विभाग को मिले पुरस्कार इसे साबित भी करते हैं कि कृषि भूमि में कमी आने के बावजूद राज्य में उत्पादन में खाद्यान्न का उत्पादन लगातार बढा है। संघ के अध्यक्ष डीएस असवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मांग पत्र पढ़ा और कार्यवाही की मांग की।

टैक्सी वाहनों के साथ प्राइवेट वाहनों की भी करें जांच

सड़क हादसों में कमी लाने के लिए पुलिस, परिवहन और लोक निर्माण विभाग उठाएं प्रभावी कदम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। इस मौके पर उन्होंने मोटर वाहन अधिनियम की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि सिर्फ टैक्सी वाहनों की ही चेकिंग नहीं की जाए, बल्कि प्राइवेट वाहनों की भी सघन जांच की जाए। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ किसी भी कीमत पर नरमी न बरती जाए। वाहनों के आगे और पीछे नंबर प्लेट भी जांच की जाए। ऐसा नहीं पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। सोमवार को जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि वाहनों की फिटनेस चेक करते समय यह देखा जाए कि वह किस प्रकार की सड़क पर चलने लायक है। संकरे मार्गों पर बड़े वाहनों का संचालन न किया जाए। उन्होंने कहा कि धुमाकोट मोटर मार्ग पर पूर्व में सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। उक्त मार्ग पर जहां भी स्थिति खराब है, उसको तत्काल दुरस्त किया जाए। कहा कि सड़क हादसों में कमी लाने के लिए पुलिस, परिवहन विभाग और लोक निर्माण विभाग प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने मजिस्ट्रियल जांच में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि उप जिलाधिकारी स्तर पर सड़क सुरक्षा समिति का गठन कर प्रत्येक माह इसकी बैठक सुनिश्चित की जाए। उप जिलाधिकारी स्तर पर कमेटी समीक्षा करने के साथ ही मोटर मार्गों के असुरक्षित स्थानों को चिन्हित करेगी। बैठक में एआरटीओ एन के ओझा, एसएसआई वेद प्रकाश, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी दीपेश काला, लोनिवि के सहायक अभियंता शिवेंद्र अस्टवाल व सहायक अभियंता अर्चना सहित अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित थे।

पौड़ी में धूमधाम से मनाया गया विजय दिवस

1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को किया गया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला मुख्यालय पर विजय दिवस के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर 1971 के भारत-पाक युद्ध के शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिला मुख्यालय स्थित शहीद स्मारक स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और वीर सैनिकों के अदम्य साहस व बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, उनके परिजनों और अन्य गणमान्यों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने संस्कृति विभाग के प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना ने अपने शौर्य और पराक्रम से पाकिस्तानी सेना को पराजित कर एक ऐतिहासिक विजय प्राप्त की थी। इस युद्ध में पाकिस्तानी सेना के 93,000 सैनिकों ने आत्म समर्पण किया था। यह विजय भारत के वीर सैनिकों की असाधारण वीरता और बलिदान का प्रतीक है, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी मेजर करन सिंह ने बताया कि 1971 के युद्ध में उत्तराखंड राज्य के 255 वीर जवान शहीद हुए, जिनमें जनपद पौड़ी गढ़वाल के 38 शहीद सैनिक शामिल थे।

विजय दिवस पर इन वीर जवानों के बलिदान को विशेष रूप से स्मरण किया गया। कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी लैंसडौन कर्नल ओम प्रकाश फर्स्वाण (अ.प्रा.), मुख्य शिक्षा अधिकारी नागेंद्र बर्तवाल, पूर्व सैनिक संगठन अध्यक्ष राजेंद्र राणा, ऑर्डिनरी कैप्टन सत्य प्रसाद धस्माना, मातबर सिंह, वीरेंद्र सिंह, श्रीचंद सिंह रावत, श्रीमती सुशीला देवी, श्रीमती छैला देवी, बसंती देवी व सुमित्रा देवी और अन्य गणमान्य अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और परिजनों को किया सम्मानित

विजय दिवस के अवसर पर स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी का आयोजन किया गया, जो एजेंसी चौक से राजकीय प्रेक्षागृह तक निकाली गई। कार्यक्रम में 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर ऐश्वर्या, अमन, मरियम रहे। जबकि चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर शिफात अली, द्वितीय स्थान पर दिशा, तृतीय स्थान पर रितिका रही। क्रॉस कंट्री दौड़ बालक वर्ग प्रथम विजय, द्वितीय धर्मेश, तृतीय स्थान पर जीवन रहे, जबकि बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर मीनाक्षी, द्वितीय स्थान पर निधि, तृतीय स्थान पर सुमन रहीं।

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार और हिंसा ने मानवता के मूल्यों पर किया गहरा आघात : धामी

1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध, विजय दिवस समारोह में सीएम धामी ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विजय दिवस के अवसर पर गांधी पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने के लिए 1971 के युद्ध में भारत के लगभग 39 सौ जवान शहीद हुए, वही बांग्लादेश अब सांप्रदायिक ताकतों के बहकावे में आकर हमारे देश के खिलाफ अपशब्द बोल रहा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार और हिंसा ने मानवता के मूल्यों पर गहरा आघात किया है सोमवार को गांधी पार्क में आयोजित विजय दिवस समारोह में अपने संबोधन की शुरुआत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 1971 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ की। इसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारतीय सैनिकों ने 1971 के युद्ध में न केवल राष्ट्र की अखंडता और स्वाभिमान की रक्षा की बल्कि अपने अद्वितीय रण कौशल द्वारा दुश्मन को चारों खाने चित्त भी कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1971 में पाकिस्तान के साथ लड़ा गया यह युद्ध स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय है, जो प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत है। 1971 के युद्ध में हमारी सेना ने विश्व को दिखा दिया कि भारत न केवल अपनी संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर मानवता और न्याय की रक्षा के लिए भी खड़ा हो सकता है। इस युद्ध में हमारी तीनों सेनाओं ने मात्र 13 दिनों में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस युद्ध में पाकिस्तान के लगभग एक लाख सैनिकों ने 16 दिसंबर 1971 को हमारी सेना के समक्ष आत्मसमर्पण किया, जो दुनिया के सैन्य इतिहास में एक अद्वितीय घटना के रूप में दर्ज है। उस युद्ध में

लगभग 39 सौ भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए, जिनमें वीर भूमि उत्तराखंड के 255 बहादुर सपूत भी शामिल थे। तब हमारे प्रदेश के 74 सैनिकों को अपने अदम्य साहस और शौर्य के लिए विभिन्न वीरता पदकों से सम्मानित भी किया गया था। इस मौके पर सैनिक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी, शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, विधायक खजान दास, दर्जाधारी विश्वास डाबर, भाजपा के महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, सचिव दीपेंद्र चौधरी, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल, एसएसपी अजय सिंह, निदेशक सैनिक ब्रिगेडियर कल्याण अमृत लाल (से.नि), मेजर जनरल सम्मी सबरवाल (से.नि), ब्रिगेडियर के.जी बहल (से.नि) एवं पूर्व सैन्य अधिकारी और वीरांगनाएं उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार सैनिक कल्याण के लिए समर्पित

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने जहां एक ओर सैनिकों या उनके आश्रितों को मिलने वाली अनुदान राशि को बढ़ाने का काम किया है वही शहीद सैनिकों के आश्रितों को राज्य सरकार के अधीन आने वाली नौकरियों में वरीयता के आधार पर नियुक्ति देने का भी निर्णय लिया है। साथ ही, वीरता पदक से सम्मानित सैनिकों को मिलने वाली एकमुश्त अनुदान राशि में भी बढ़ोतरी की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अनुदान राशि को लेकर परिवार में कोई मतभेद ना हो, इसके लिए राज्य सरकार ने शहीदों के माता-पिता और पत्नी दोनों को समान रूप से अनुदान राशि में अधिकार देने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वो खुद एक सैनिक पुत्र हैं, इसलिए आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में आ रहे सकारात्मक बदलाव को देखकर उन्हें भी अत्यंत हर्ष का अनुभव होता है।

धूल से फूल बनाना और धूल में मिलाना भी जानते है

मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश के मौजूदा हालातों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की चिंता है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी घटना पर कैंडिल मार्च के साथ ही संसद बाधित करने वाले अब पूरी तरह गायब हैं। ये कौन लोग हैं जिन्हें केवल वोट के लिए बांग्लादेश का नरसंहार तक नही दिखाई दे रहा है। दूसरी तरफ केंद्र सरकार ने अपनी चिंताओं से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को अवगत करा दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत हमेशा से शांति और सहिष्णुता का पक्षधर रहा है, लेकिन हमारी सद्भावना को हमारी कमजोरी समझने की भूल नहीं की जानी चाहिए। हम अगर ह्लधूल से फूल बनाना जानते हैं तो हम धूल में मिलानाह्व भी जानते हैं।

विशेष बीएड छात्रों को दी पाठ्यक्रम की जानकारी

देहरादून। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के दून कैंपस में प्रवेश लेने वाले विशेष बीएड छात्र छात्राओं के लिए एनआईवीएच में एक प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उन्हें पाठ्यक्रम,परीक्षा व सत्र सहित अन्य जानकारियां दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रांत प्रमुख व एमकेपी डिग्री कॉलेज की प्राध्यापिका डॉ ममता सिंह, एनसीईआरटी के विशेष शिक्षा विभाग के सह प्राध्यापक डॉ सुविधा कुमार, दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान बीएड विशेष शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ विनोद केन, वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ पंकज कुमार व उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के बीएड विशेष शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया। डा. ममता सिंह ने कहा कि दिव्यांगजन आज समाज में सभी को अपने सशक्तिकरण व कार्यों द्वारा एक नई राह दिखा रहे हैं। मुक्त विश्वविद्यालय का इस तरह के पाठ्यक्रम चलाकर दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिक्षक तैयार किया जाना गौरव की बात है। दिव्यांगजनों के लिए ललित कला, चित्रकला जैसे विषयों से संबंधित प्रमाण पत्र व डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाए जाने पर भी उन्होंने अपना सुझाव दिया जिससे कि दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण करने के साथ ही उनको स्वावलंबी भी बनाया जा सके।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ.), उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल के द्वारा कोच रेस्टोरेंट, बैटरी ऑपरेट व्हीकल, ई–वी चार्जिंग कम पार्किंग, हेल्थ एटीएम कियोस्क, वाणिज्य विज्ञापन तथा बिजनोर स्टेशन पर इंटीग्रेटेड कॉन्ट्रैक्ट एवं नैमिषारण्य रेलवे स्टेशन पर रिटायरिंग रूम के ठेकों को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 31.12.2024 को आमंत्रित की गई हैं, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3850/2024

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मंडल यांत्रिक अभियंता मुरादाबाद के द्वारा ई टेंडर संख्या M–14–CAMC-HS-SPARMV-ROZA–24 के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 31.12.2024 को 17:00 बजे है जो बंद होने के बाद किसी भी समय वैबसाइट पर खोले जाएगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नही होगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

विभाग	टेंडर सं.
सी एण्ड डब्लू	M-14-CAMC-HS-SPARMV-ROZA-24
कार्य का नाम	"Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) of CNC Surface Wheel Lathe (SWL-74) at ROH Depot Moradabad for three years" with OEM or authorized dealer of OEM.
निविदा टाइप	बिडिंग स्टाइल
एकल	एकल पैकेट सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनाँक एवं समय	31.12.2024 15:00 बजे
एडवेरटाइज्ड वेल्यू	ऑफर की वैधता
1,81,84,095.00/– रूपये	45 दिन

No. M-14-CAMC-HS-SPARMV-ROZA-24, Date:-10.12.2024 3843/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विजय दिवस, भारतीय सेना के सशस्त्र बलों के साहस, वीरता, शौर्य तथा पराक्रम का अद्वितीय उदाहरण: राज्यपाल

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सोमवार को विजय दिवस के अवसर पर शौर्य स्थल, देहरादून में मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीदों के सम्मान में पुष्प चक्र अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विजय दिवस, भारतीय सेना के सशस्त्र बलों के साहस, वीरता, शौर्य तथा पराक्रम का अद्वितीय उदाहरण है।

राज्यपाल ने कहा कि 16 दिसंबर, 1971 का दिन भारत के इतिहास में वह गौरवशाली क्षण था जब हमारे वीर सैनिकों ने अपने शौर्य, पराक्रम और बलिदान से एक नई गाथा लिखी थी। मात्र 13 दिनों में इस विजय अभियान को

अंजाम देकर हमारे वीर योद्धाओं ने अपने पराक्रम का लोहा मनवाया और दुश्मनों के 93 हजार सैनिकों को आत्मसमर्पण पर मजबूर कर पाकिस्तान को दो हिस्सों में विभाजित किया। उन्होंने कहा कि हमारे वीर योद्धाओं का शौर्य और पराक्रम देशवासियों को हजारों साल तक प्रेरित करता रहेगा।

60 मीटर दौड़ में आराध्या, 100 मीटर में अंशिका ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। लैन्सडौन : अभ्युदय परिवार शाखा जयहरीखाल द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राथमिक वर्ग बालिका 60 मीटर दौड़ में आराध्या ने प्रथम, तन्वी रावत ने द्वितीय, अवन्तिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर में दौड़ में अंशिका असवाल प्रथम, आयुषी रावत ने द्वितीय, योगिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायत्री बलोधी, सुशीला रावत, दिक्का देवी ने संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिता में ग्रामीण क्षेत्र पाली, मन्दौली, सुरमाडी, जैहरी के बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्राथमिक वर्ग बालिका निबू रेस में आराध्या, आयुषी रावत, कनक, फ्राग रेस में अवन्तिका, रुचि भण्डारी, रेविका, बालक वर्ग प्राथमिक 60 मीटर दौड़ में विवान मैन्दौला,

आभास नेगी, कार्तिक, 100 मीटर दौड़ में अनमोल नेगी, अर्नव बहुगुणा, विवान मैन्दौला अनिकेत, निंबू दौड़ में विवान रावत, शिवम, विवान मैन्दौला, फ्राग रेस में कार्तिक, विवान/आभास,वंश मैन्दौला/शिवम् ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में आराध्या कुकरेती, दिव्या, अनुश्री तिवारी, 100 मीटर दौड़ में अनमोल नेगी, अनुष्का नेगी, प्रिया राणा, 200 मीटर दौड़ में अनमोल नेगी, अनुश्री, रुचि, 400 मीटर में अदिति नेगी, सिमरन/मानसी, अंशिका बिष्ट, बालक वर्ग जूनियर वर्ग में 60 मीटर दौड़ में वाशु रावत, आयुष डोबरियाल, मानस, 100 मीटर दौड़ में आयुष डोबरियाल, मानस/शौर्य, वरुण, 200 मीटर दौड़ में मयंक, आयान, मानस ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ में आयुष डोबरियाल ने प्रथम, वाशु ने द्वितीय शौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, म्यूजिकल चेयर रेस में मयंक ने प्रथम, आयान रावत ने द्वितीय, शौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अभ्युदय परिवार की संयोजिका भावना वर्मा ने कहा आज कि प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया यह हर्ष की बात है। इस आयोजन में दूर-दूर के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल में सोनिया डोबरियाल, सुमन बहुगुणा, प्रगति रावत, बसन्ती चौधरी, रंजना असवाल, अनीता रावत, विपना जोशी, चन्द्रकान्ता बौठियाल, ज्योति तिवारी, सम्पत्ति देवी देवयानी आदि मौजूद थे।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com